भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या:85
22 नवम्बर, 2011 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उत्तर प्रदेश में जापानी इनसेफेलाइटिस से बच्चों की मौत

85. **श्री मोहन सिंहः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि उत्तर–प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों में इस वर्ष जापानी बुखार इनसेफेलाइटिस से ग्रस्त हजारों बच्चों की जान चली गई;

(ख) यदि हां, तो ऐसे बच्चों की कुल संख्या कितनी है;

(ग) इस बीमारी का मूल कारण क्या है और इसके निवारण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को क्या सहायता दी जा रही है;

(घ) क्या इनसेफेलाइटिस के रोक थाम के लिए सरकार की पैकेज्ड शुद्ध पेयजल और टीका–करण की सुविधा उपलब्ध कराने की कोई योजना है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुदीप बन्दोपाध्याय)

(क) और (ख) जी नहीं । वर्ष 2011 में (14 नवम्बर 2011 तक) उत्तर प्रदेश से जापानी एंसेफलाइटिस के कारण हुई 27 मौतों की सूचना मिली है ।

(ग) जापानी 'एसेफलाइटिस ' (जे ई) एक विषाणु द्वारा उत्पन्न होता है जो मच्छरों के जरिए संचरित होता है । जे ई विषाणु के मुख्य स्रोत सूअर तथा जलपक्षी होती है और अपने प्राकतिक चक्र में विषाणु इन जन्तुओं पर सुरक्षित रहते हैं ।
भारत सरकार ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में जानपदिक रोग विज्ञानी नैदानिक तथा शोध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उपाय किए हैं तथा बाबा राघव दास (बी आर डी) मेडिकल कालेज गोरखपुर को जे ई रोगियों के बेहतर उपचार के लिए विशेष जे ई वार्ड की स्थापना करने में वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान कर दी है ।

इसके अतिरिक्त 1–15 वर्ष की आयु के बीच के बच्चों में जे ई टीकाकरण शुरू किया गया है। जे ई रोगियों के शीघ्र निदान के लिए जे ई प्रहरी स्थल स्थापित किए गए हैं ; तथा जे ई किटें प्रदान की गई हैं ।

(घ) और (ड.) उत्तर प्रदेश ने प्रभावित जिलों में सुरक्षित पेय जल की बेहतर उपलब्धता के लिए उपाए किए हैं । जे ई टीकाकरण को विशेष अभियान के लिए पूरा किया गया है जिसमें वर्ष 2006–2010 के दौरान उत्तर प्रदेश में 34 जिलों में 1–15 वर्ष के आयु वर्ष के बच्चों को शामिल किया गया है ।